आयोजक दल बैठक

21.12.17 पैस्टोरल सेंटर, भोपाल

नवम्बर में आयोजित राज्य समन्वय समिति बैठक में एक निर्णय यह हुआ था कि आयोजक दल को जल्द से जल्द बैठक कर अभियान के कार्य हेतु मंथन कर रणनीति बनाने की आवश्यकता है| अतः यह बैठक 21.12.17 को भोपाल में की गयी जिसमें निम्न साथी उपस्थित थे-

1. अरुण त्यागी
2. रामजी राय
3. सुशील शर्मा
4. निधि शुक्ला
5. स्मृति शुक्ला
6. रुद्रक्षिना

अभियान के कार्य हेतु मुद्दों का चुनाव व् रणनीति

- साथियों द्वारा कई मुद्दों पर कार्य करने की गुंजाईश बताई गयी जैसे कि कुपोषण, सुरक्षित प्रसव, गर्भवती महिलाओं में एनीमिया आदि|
- साथियों का कहना था कि हम अभी नए मुद्दे लेकर कार्य को व्यापक करेंगे तो असक्षम हो सकते हैं क्यूंकि संसाधन सीमित हैं और वर्तमान राजनितिक परिपेक्ष्य देखते हुए संस्थाएं किसी भी प्रकार का दबाव डालने कि स्थिति में नहीं है|
- हमें अपनी उर्जा स्थानीय स्तर पर सेवाओं और सुविधाओं को बेहतर करने में लगानी चाहिए क्यूंकि अभी सरकार द्वारा खानापूर्ति की जा रही है| कहीं पर सेवाएँ हैं तो परामर्श बिलकुल नहीं है, सेवाओं की नियमितता और गुणवत्ता पर प्रश्चिन्ह बना हुआ है|

- अभियान की निगरानी से असर भी पड़ा है जैसे कुछ जगहों पर vhnd कि सेवाओं में सुधार आया है, नसबंदी सेवाओं को साप्ताहिक रूप से प्रदान किया जा रहा है हालाँकि गुणवत्ता अभी भी ख़राब है और ब्लॉक व् जिला स्तर पर अभियान को मातृत्व स्वास्थ्य के मुद्दों पर कार्य के प्रति प्रतिबद्धता को पहचान मिली है|
- साथियों द्वारा अपने कार्यक्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र पर ही केन्द्रित होकर उसको सुधारने में उर्जा लगायी जाए|
- सेवाओं को बेहतर बनाने हेतु समुदाय स्तर पर जागरुकता व् सेवाप्रदाताओं को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है|
- मातृत्व स्वास्थ्य व् उससे जुड़े अधिकारों के बारे में साथी संस्थाओं के क्षमता वर्धन की आवश्यकता है ताकि वह अपने कार्यक्षेत्र में ही सेवाओं की निगरानी कर उनको सुधारने हेतु रणनीति बना सकें|
- मिडिया के साथियों के साथ जो उन्मुखीकरण किया गया था उससे उनको काफी मदद मिली और वह मातृत्व स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को खबर में लाने लगे हैं| अतः इस सम्बन्ध को आगे ले जाने की आवश्यकता है और उनके साथ नियमित कार्यशाला करने की आवश्यकता है|
- जिले में हो रही मातृ मृत्यु पर भी निगरानी रखना व् उसका दस्तावेजीकरण करना अत्यंत आवश्यक है जिसके लिए प्रत्येक जिले में एक टीम का गठन कर उनका क्षमता वर्धन करना होगा| परन्तु यह कार्य कुछ समय बाद किया जा सकता है क्यूंकि पहले साथियों का मातुत्व स्वास्थ्य के जुड़े मुद्दों पर दृष्टिकोण निर्माण की आवश्यकता है|

कार्य रणनीति

क्रं.सं	गतिविधि	समय अवधि
संभाग स्तरीय क्षमता वर्धन 1 जिला- 4 साथी		
1	मातृत्व स्वास्थ्य व् स्वास्थ्य अधिकार व् सामुदायिक निगरानी	फरवरी
सामुदायिक गतिविधि 1 जिला - 4 सब सेंटर 4 vhnd (1 साथी- 1 सब सेंटर 1 vhnd)		
1	सब सेंटर व् vhnd अवलोकन प्रति माह	फरवरी-जुलाई
2	VHSNC को पुनर्जीवित करना व् समुदाय में मातृत्व स्वास्थ्य अधिकारों के प्रति जागरुकता	फरवरी-जुलाई
3	जन संवाद- सब सेंटर स्तर पर	अगस्त
4	ज्ञापन- PHC व् जिला स्तर पर	अगस्त

- ***संसाधनों के हिसाब से मिडिया साथियों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा|***
- ***संसाधनों के हिसाब से मातृ मृत्यु समीक्षा पर क्षमता वर्धन आयोजित किया जाएगा|***